राज्यपाल सचिवालय
राजभवन,जयपुर

सुखाड़िया विश्वविद्यालय का चौबीसवां दीक्षांत समारोह

साईबर टैक्नोलोजी को मिशन के रूप में लें विश्वविद्यालय

–राज्यपाल

- **साईबर वर्ल्ड में सफलता के लिए विश्वविद्यालय ''केपेसिटी बिल्डर'' का काम करे।**
- **साईबर सम्बन्धित विषयों पर सरल एवं बोधगम्य पाठ्यक्रम तैयार किये जाए।**
- **साईबर प्रोफेशनल के लिए रोजगार की अपार सम्भावनाएं।**

जयपुर, 22 दिसम्बर। राजस्थान के राज्यपाल श्री कल्याण सिंह ने कहा है कि ''हमारे देश के करोड़ो लोग एवं हमारी अर्थव्यवस्था इस साईबर वर्ल्ड में सफल हो, इसके लिए विश्वविद्यालयों को ''केपेसिटी बिल्डर'' का दायित्व निभाना होगा।''

श्री सिंह मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के 24वें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि ''हमारी अर्थव्यवस्था साईबर वर्ल्ड से घनिष्ठता से जुड़ने जा रही है।''

राज्यपाल ने कहा कि ''विश्वविद्यालयों को साईबर एप्लीकेशन, साईबर सिक्योरिटी और साईबर लॉ से सम्बन्धित सरल एवं बोधगम्य पाठ्यक्रम तैयार कर इसे कला, विज्ञान एवं वाणिज्य सहित सभी स्ट्रीम्स में सब्सिड्री सब्जेक्ट के रूप में पढ़ाये जाने पर चिन्तन करना चाहिए।''

साईबर टेक्नोलोजी को रोजगार से जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि ''आज साईबर जगत में रोजगार के नये दरवाजे भी खुले हैं। साईबर सिक्योरिटी में विशेषज्ञों की आवश्यकता बैंक, प्राईवेट कम्पनियों, कॉर्पोरेट सैक्टर एवं सरकारी क्षेत्र में भविष्य में बहुत ज्यादा बढ़ने वाली है। अतः भविष्य की सम्भावनाओं को देखते हुए विश्वविद्यालय साईबर एप्लीकेशन, साईबर सिक्योरिटी और साईबर लॉ से सम्बन्धित प्रोफेशनल कोर्स भी अपने यहां शुरू करे।''

राज्यपाल ने कहा कि ''हम शिक्षा के क्षेत्र मे अग्रणी हैं। हमने अपने शोध और पाठ्यक्रमों को तकनीकी विकास और संचार क्रान्ति के अनुसार अद्यतन किया है, लेकिन इस दिशा में अभी भी बहुत कुछ कार्य शेष है। खास तौर पर हमें अपने अध्यापन की पद्वति को तकनीक सम्पन्न करना है। ज्ञान के वितरण को हमारे विश्वविद्यालय डिजिटल तकनीक के सहयोग से प्रभावी बना सकते हैं। हमें कक्षाओं और अध्यापन संसाधनों का आधुनिकीकरण करना चाहिए।''

उच्च शिक्षा मंत्री श्रीमती किरण माहेश्वरी ने कहा कि सामाजिक जीवन में समग्र व्यक्तित्व से शरीर मन बुद्वि एवं आत्मा के द्वारा परिवार एवं देश व प्राणी मात्र के कल्याण के लिए सीमान्त पर्व ही दीक्षांत है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे.पी.शर्मा ने स्वागत उद्बोधन किया। समारोह में प्रबंध मंडल व अकादमिक एवं विद्यार्थीगण मौजूद थे।

– – –